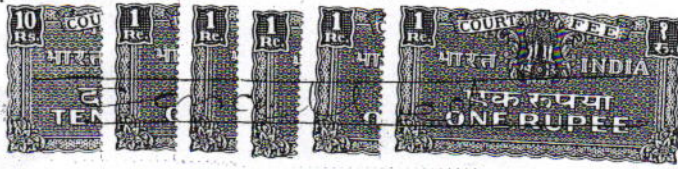


40



492  
08

C-PS 17

न्यायालय : राजस्व मण्डल मध्य प्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक /2009/पुनर्विलोकन दिनांक 22-11-09

दिनांक 22-11-09

एस.एस.डी. ऑफिस, एडवोकेट  
25-2-09

7/11

1-08 PM

- 1- जनवेद पुत्र खेरा
  - 2- किन्ती पुत्री खेरा
  - 3- हवकी पुत्री खेरा,
- निवासीगण ग्राम खोरधार, तहसील व  
जिला शिवपुरी, मध्यप्रदेश

--- आवेदकगण

विरुद्ध

25/11/09  
S.L. Shukla

- 1- गिरवर
  - 2- शंकरदे
  - 3- धना
- पुत्रगण श्री हस्ता

सभी निवासीगण ग्राम खोरधार, तहसील व  
जिला शिवपुरी, मध्यप्रदेश

--- अनावेदकगण

पुनर्विलोकन आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 51 मध्यप्रदेश राजस्व संहिता 1959.

विषय: खोरधार तहसील के ग्राम खोरधार के निवासीगणों के द्वारा 13-1-09 दिनांक को 22-11-09 दिनांक तक के लिए माननीय न्यायालय,

आवेदकगणों का पुनर्विलोकन आवेदन-पत्र निम्न

प्रकार प्रस्तुत है:-

1. प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य:-

- 1- यह कि, ग्राम खोरधार के भूमिखत क्रमांक 492, 493, 494, 495, 434, 600, 952, 1490, 1507 कुल किता 9 कुल रकवा 3.35 हेक्टेयर के आधे-आधे भाग के आवेदकगण एवं अनावेदकगण भूमिस्वामी थे।
- 2- यह कि, विवाहित भू-भाग का बंटवारा हेतु एक आवेदन पत्र न्यायालय तहसीलदार के समक्ष प्रस्तुत किया जो प्रकरण क्रमांक 5/03-04/अ-27 प्रस्तुत किया। जिसमें अभ्यक्ष को

*[Handwritten signature]*

*[Handwritten signature]*

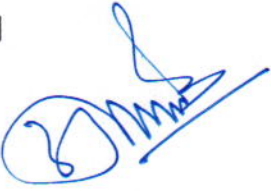

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर  
आदेश पृष्ठ  
भाग - अ

प्रकरण क्रमांक रिव्यू 227-दो/2009

जिला शिवपुरी

जनवेद आदि विरुद्ध

गिरवर आदि

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
22-3-2016	<p>आवेदक की ओर से कोई उपस्थित नहीं। प्रकरण वर्ष 2009 से लंबित है। प्रकरण में अपर आयुक्त का अभिलेख प्राप्त हो गया है। प्रकरण में अनावेदक क्रमांक 1 गिरवर की फोट होने संबंधी टीप आदेश पत्रिका दिनांक 26-2-13 में आ चुकी है तत्पश्चात दिनांक 24-9-13 को इस न्यायालय द्वारा आवेदक अभिभाषक को अनावेदक क्रमांक 1 के वारिसों की जानकारी पेश करने के निर्देश दिये गये थे। इस प्रकरण में अनावेदक क्रमांक 1 की मृत्यु की जानकारी के लगभग तीन वर्ष पश्चात भी आवेदक अभिभाषक ने प्रकरण में वारिसों की जानकारी प्रस्तुत नहीं की है। अतः अनावेदक क्रमांक 1 के वारिसों की जानकारी तीन वर्ष तक प्रस्तुत नहीं करने से प्रकरण अवैट किया जाता है। अभिलेख वापस भेजा जाये। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p> <p></p> <p> (डॉ० मधु खरे) सदस्य</p>	